(राजस्थान–सरकार)

न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, बारॉ (राज.)

पीठासीन अधिकारी बृजमोहन बैरवा (आर.ए.एस.)

प्रकरण संख्या :– 34 / 2021

रजिस्ट्रेशन सं0 :– 2021 / 233

बउनवान

राज0 सरकार जर्ये खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारॉ

(प्रार्थी)

बनाम

1. श्री महेन्द्र कुमार पुत्र घनश्याम लाल नामा जाति नामा निवासी जैन मन्दिर के सामने, सीसवाली, जिला बाराँ(मौके पर मौजूद विक्रेता एवं मालिक) मैसर्स पवनसुत प्रोविजन स्टोर, अन्ता रोड, सीसवाली जिला बाराँ

2. श्रीमती कमला बाई पत्नि श्री रणजीतमल निवासी मकान नं. J-6-a, Block-j, Jawahar Nagar, Dadabari Kota-324009(निर्माता फर्म) मैसर्स आशी टी ट्रैडर्स, जीवन कटला, शिवाजी बाजार, कोटा–324006

(अप्रार्थीगण)

जुर्म अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2 (।।) एफएसएस एक्ट 2006 एवं विनियम 2011

उपस्थिति :– 1– श्री अरूण सक्सेना खा.सु.अ. (प्रार्थी)

2– श्री ओम भारद्वाज अभिभाषक (अप्रार्थीगण)

निर्णय दिनांक 11.01.2022

प्रकरण राजस्थान सरकार जर्ये खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारॉ द्वारा इस आशय का पेश किया कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 24.02.2021 को मैसर्स पवनसुत प्रोविजन स्टोर, अन्ता रोड, सीसवाली जिला बाराँ पर पहुंचा। वहॉ पर श्री महेन्द्र कुमार पुत्र घनश्याम लाल नामा(मौके पर मौजूद विक्रेता एवं मालिक) की हैसियत से उपस्थित था, कि उपस्थिति में निरीक्षण किया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 24.02.2021 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारॉ मे खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कार्य सम्पादित कर रहा था और उसे राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना नोटिफिकेशन क्रमांक / एच / पीएफए / नोटिफिकेशन / 2011 / 440 दिनांक 25.07.2011 के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। श्रीमान् आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं निदेशक (जन स्वा.) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें राज. जयपुर के आदेश क्रमांक 1041 दि. 31.12.2020 के अनुसार उनको कार्य क्षेत्र ज़िला बारॉ आवंटित किया गया है और जिला बारॉ के अन्तर्गत आने वाले समस्त स्थानीय क्षेत्र [illegible] कार्य क्षेत्र मे आते है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Brij Mohan Bairwa
Date: 2022.03.14 16:52:39 IST
Reason: SelfAttested

यह कि आवेदक द्वारा निरीक्षण किया [illegible] पर खाद्य पदार्थ **चायपत्ती (Asha VIP Sona)250 ग्राम** 25 नग आम जनता [illegible] ने अपना [illegible] पत्र दिखाकर परिचय दिया एवं विक्रेता से परिचय लिया। विक्रेता से [illegible] पर खाद्य पदार्थ [illegible] **(Asha VIP Sona)250 ग्राम** में मिलावटी का शक होने पर नमूना लेने हेतु विक्रेता को अवगत कराया गया तत्पश्चात नमूना वास्ते जांच हेतु लेने की सूचना फार्म नं0 5ए की प्रति स्वतंत्र गवाह की उपस्थिति मे तैयार कर विक्रेता को देकर प्राप्ति रसीद ली। जिसकी प्रति आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी, बारॉ द्वारा खाद्य पदार्थ **चायपत्ती(Asha VIP Sona)250 ग्राम** के 08 पोलीपैक वास्ते नमूना जांच हेतु खरीदी, जिसकी कीमत श्री महेन्द्र कुमार पुत्र घनश्याम लाल नामा (मौके पर मौजूद विक्रेता एवं मालिक) को 800/– रूपये (अक्षरे आठ सौ रूपये) नगद देकर रसीद प्राप्त की, जिस पर विक्रेता के हस्ताक्षर है तथा उपस्थित गवाहान के हस्ताक्षर करवाये एवं तस्दीक कर स्वंय आवेदक ने हस्ताक्षर किये। जिसकी प्रति आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक ने खरीदशुदा खाद्य पदार्थ **चायपत्ती(Asha VIP Sona)250 ग्राम** की 08 पोलीपैक को चार नमूना भागों में कर प्रत्येक 02 पोलीपैक के मूल पैकेट पर हीं लेबल तैयार कर लेबल तैयार कर प्रत्येक नमूने भाग पर चिपकाये और लेबलों पर डी.ओ. के कोड एवं क्रमांक ए.एच.–1160 दर्ज किया। प्रत्येक लेबल पर स्वयं ने हस्ताक्षर किये एवं मालिक तथा गवाहान के हस्ताक्षर कराये। चारों नमूना भागों को अलग–अलग कागज में लपेट कर प्रत्येक नमूना भाग पर डी.ओ. बारां की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप नं. ए.एच.–1160 नियमानुसार चारों नमूना भागों पर नीचे से ऊपर तक फेविकोल से चिपकाकर प्रत्येक भाग को धागे से बांध कर नियमानुसार सील चपडी किया। प्रत्येक नमूना भाग पर मालिक के हस्ताक्षर नियमानुसार इस प्रकार करवाये कि पेपर स्लिप व रेपर दोनो पर आवे एवं सीलबन्द नमूनों पर गवाह के हस्ताक्षर कराकर नमूने का पूर्ण विवरण लिखकर मेरे द्वारा हस्ताक्षर कर चारों नमूना भागों को अपने जाप्तें में लिया।

आवेदक ने मौके पर फर्द रिपोर्ट तैयार कर विक्रेता एवं गवाहान को पढकर, सुनाकर एवं समझाकर हस्ताक्षर करने को कहा, जिसे श्री महेन्द्र कुमार पुत्र घनश्याम लाल नामा ने भी पढकर, समझकर व सही मानकर हस्ताक्षर किये।

आवेदक ने कार्यालय पहुंच कर फार्म नं. 6 की प्रतियॉ तैयार की और प्रत्येक पर वह नमूना सील लगाई जिससे नमूना सील किया। एक नमूना भाग मय फार्म नं0 6 की प्रति के आउटर कवर मे सीलबन्द कर सील मोहर कर एवं एक प्रति फार्म नं0 6 की अलग से सील्ड लिफाफे मे स्वंय द्वारा खाद्य विश्लेषक, कोटा को जमा कराकर रसीद प्राप्त की। जो आवेदन के साथ संलग्न है। दो सील बन्द नमूना भाग मय फार्म सं0 6 की दो प्रतियों के आउटर कवर में सील बन्द कर तथा नमूने का चौथा भाग मय फार्म नं0 6 की प्रति के अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारां को जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो न्यायनिर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारॉ के पत्र क्रमांक/एफएसएसए/2020/64 दिनांक 08.03.2021 से ज्ञात हुआ कि जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट क्रमांक 96/PHL/Kota/Act/ 2021/132 दिनांक 05.03.2021 के अनुसार विक्रेता द्वारा वास्ते नमूना जांच विक्रय किये गये खाद्य पदार्थ **चायपत्ती(Asha VIP Sona)250 ग्राम** खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 व विनियम 2011 की धारा 3(1)(zf)(C)(i) के तहत **मिथ्याछाप (Mis Branded)** होना पाया गया। रिपोर्ट आवेदन के साथ संलग्न है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Brij Mohan Bairwa
Date: 2022.03.14 16:52:39 IST
Reason: SelfAttested

आवेदक ने अनुसंधान हेतु मैसर्स पवन [illegible] न स्टोर, अन्ता रोड, सीसवाली जिला बारॉं से पत्रांक 203 दिनांक 07.07.2021 [illegible] अमृत प्रोविजन स्टोर, अन्ता रोड, सीसवाली जिला बारॉं द्वारा प्रतिउत्तर में खाद्य अनुज्ञा [illegible] एवं फर्म मालिक आधार कार्ड की प्रति कार्यालय में पेश की गई।

इस पर प्रकरण दिनांक 02.08.2021 को [illegible] रजिस्टर किया जाकर, अप्रार्थी को जर्ये रजिस्टर्ड सम्मन से तलब किया गया। अप्रार्थीगण द्वारा जर्ये अभिभाषक उपस्थिति दी गई है। प्रकरण में अप्रार्थीगण द्वारा जवाब प्रस्तुत न कर अंतिम बहस सुनी जाने हेतु निवेदन करने पर अप्रार्थीगण का जवाब बन्द किया जाकर प्रकरण में उभयपक्ष की अंतिम बहस सुनी गई।

राजस्थान सरकार जर्ये प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी, बारां ने परिवाद में अंकित तथ्यों को दोहराया तथा कथन किया कि अप्रार्थीगण द्वारा जिस खाद्य पदार्थ **चायपत्ती(Asha VIP Sona)250 ग्राम** को वास्ते नमूना जांच हेतु विक्रय किया गया था, वह जॉच रिपोर्ट में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 व विनियम 2011 की धारा 3(1)(zf)(C)(i) के तहत **मिथ्याछाप** (**Mis Branded**) होना पाया गया। अप्रार्थीगण का उक्त कृत्य खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 एवं विनियम 2011 की धारा 26 की उप धारा 2(।।) एवं बिना खाद्य अनुज्ञा पत्र/रजिस्ट्रेशन के खाद्य पदार्थ विक्रय करने पर उप धारा 2 (v) के तहत अपराध की श्रेणी में आता है। जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 एवं विनियम, 2011 की धारा 52 एवं धारा 58 में निर्धारित है। अतः अप्रार्थीगण को भारी से भारी जुर्माने से दण्डित किया जावे।

अप्रार्थीगण के अभिभाषक द्वारा दौराने बहस कहा गया कि अप्रार्थीगण के द्वारा खाद्य पदार्थ में कोई मिलावट नहीं की गई है और न हीं चायपत्ती के पैकेट पर किसी प्रकार की भ्रामक/गलत प्रिंटिग की गई है। जिससे कि मिथ्याछाप का प्रकरण माना जावें। अप्रार्थीगण के विरूद्ध संस्थित परिवाद खारिज फरमाया जावें।

प्रकरण में उभयपक्ष की अंतिम बहस सुनी गई और पत्रावली का आद्योपान्त अवलोकन किया गया कि अप्रार्थीगण से वास्ते नमूना जॉच हेतु क्रय किया गया खाद्य पदार्थ **चायपत्ती(Asha VIP Sona)250 ग्राम** खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट कमांक 96/PHL/kota/Act/2021/132 दि. 05.03.2021 के अनुसार, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 व विनियम 2011 की धारा 3(1)(zf)(C)(i) के तहत **मिथ्याछाप** (**Mis Branded**) होना पाया गया। उक्त कृत्य खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 एवं विनियम, 2011 की धारा 26 की उपधारा 2 (।।) एवं बिना खाद्य अनुज्ञा पत्र/रजिस्ट्रेशन के खाद्य पदार्थ विक्रय करने पर उप धारा 2 (v) के अन्तर्गत अपराध की श्रेणी में आता है। जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 एवं विनियम 2011 की धारा 52 एवं धारा 58 के तहत अप्रार्थी क्रम 1 को राशि 5000/– रूपये एवं अप्रार्थी क्रम 2 को राशि 5,000/– रूपये पत्रावली मे कुल जुर्माना राशि 10,000/– रूपये (अक्षरे दस हजार रूपये) के आर्थिक जुर्माना राशि के दण्ड से दण्डित किया जाता है। अप्रार्थी उक्त जुर्माना राशि ई–मित्र सेवा केन्द्र से चालान निकलवाकर, जर्ये चालान बैंक मे **निर्धारित मद 0210 चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, 04 लोक स्वास्थ्य, 800 अन्य प्राप्तियां, 03 खाद्य सुरक्षा कानून के अन्तर्गत अनुज्ञा पत्र शुल्क आदि** में जमा करवाकर, चालान की प्रति इस न्यायालय मे अन्दर एक माह प्रस्तुत करे।

निर्णय आज दिनांक **11.01.2022** को मेरे द्वारा लिखाया जाकर, खुले न्यायालय में सुनाया गया।

Signature Not Verified

Digitally signed by Brij Mohan Bairwa
Date: 2022.03.14 16:52:39 IST
Reason: SelfAttested

(बृजमोहन बैरवा)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अति0 जिला मजिस्ट्रेट, बारॉ (राज.)